

DATE :- 07-09-2026
RAJASTHAN PATRIKA, PAGE-02, SURAT

ड्रीम सिटी-अलथाण कॉरिडोर के सात स्टेशनों से महानगरपालिका ने शुरू किया सर्वे मेट्रो स्टेशन से घर-ऑफिस तक आसान होगा सफर, 'लास्ट माइल' कनेक्टिविटी की तैयारी

स्टेशनवार तय होगी
परिवहन व्यवस्था,
ऑटो के रूट-किराए
भी होंगे निर्धारित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सुरत. शहर में ठजारों करोड़ रुपए की लागत से आकार ले रहे मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के संचालन से पहले ही सुरत महानगरपालिका ने यात्रियों की यात्रा को आसान बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। मेट्रो स्टेशन तक पहुंचना ही नहीं, बल्कि स्टेशन से घर, कार्यालय या अन्य गंतव्य तक आसानी से पहुंचना भी सुनिश्चित करने के लिए मनपा 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' का मास्टर प्लान तैयार कर रही है। मनपा का उद्देश्य है कि मेट्रो से उतरने के बाद यात्रियों को साधन के लिए भटकना नहीं पड़े और न ही मनमाने ऑटो रिक्शा किराए की परेशानी झेलनी पड़े। इसके लिए सिटी बस, बीआरटीएस, ऑटो रिक्शा और निजी वाहनों के बीच बेहतर तालमेल के साथ प्रत्येक स्टेशन की जरूरत के अनुसार परिवहन व्यवस्था विकसित की जाएगी।



पहले चरण में जमीनी सर्वे :
लास्ट माइल कनेक्टिविटी की योजना के लिए पहले चरण में ड्रीम सिटी से अलथाण के बीच आने वाले सात मेट्रो स्टेशनों का जमीनी सर्वे शुरू किया गया है। सर्वे में यह पता लगाया जा रहा है कि प्रत्येक स्टेशन पर संभावित रूप से कितने यात्री आएंगे, वे किस माध्यम से स्टेशन तक पहुंचेंगे और मेट्रो से उतरने के बाद उन्हें किस तरह के परिवहन साधन की आवश्यकता होगी। सुरत मेट्रो के दोनों कॉरिडोर में कुल 38 स्टेशन प्रस्तावित हैं। ऐसे में प्रत्येक स्टेशन पर यात्रियों की संख्या

और स्थानीय परिवहन की जरूरत अलग-अलग होने के कारण सभी जगह एक जैसी व्यवस्था लागू करने के बजाय स्टेशनवार योजना तैयार की जाएगी।

स्टेशन के बाहर बनेगा परिवहन का नेटवर्क

मनपा के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि मेट्रो यात्रियों की पूरी जरूरत केवल सिटी बस या बीआरटीएस से पूरी नहीं होगी। अंतिम गंतव्य तक पहुंचाने के लिए ऑटो रिक्शा समेत

मनमाना किराया नहीं, तय होंगी रूटवार दर

रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसे प्रमुख परिवहन केंद्रों के बाहर यात्रियों से मनमाना किराया वसूले जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। मेट्रो स्टेशनों पर ऐसी स्थिति नहीं बने, इसके लिए मनपा ऑटो रिक्शा यूनियनों और परिवहन संचालकों के साथ चर्चा कर स्टेशन से आसपास के प्रमुख

आवासीय क्षेत्रों तक रूटवार किराया तय करने की दिशा में काम कर रही है।

वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल तय किए जाएंगे, ताकि स्टेशन क्षेत्र में यातायात सुचारु रहे और यात्रियों को सुरक्षित तरीके से आवागमन की सुविधा मिल सके।

तीन श्रेणियों में बांटे जाएंगे स्टेशन

लास्ट माइल कनेक्टिविटी योजना के तहत प्रत्येक स्टेशन के आसपास करीब 500 मीटर के दायरे में उपलब्ध परिवहन सुविधाओं का भी आकलन किया जा रहा है। संभावित यात्री भार के आधार पर स्टेशनों को तीन श्रेणियों में बांटने की योजना है। जिसमें पहली श्रेणी

में सबसे अधिक यात्री आवागमन वाले प्रमुख जंक्शन स्टेशन होंगे। दूसरी श्रेणी में मध्यम यात्री भार वाले स्टेशन शामिल किए जाएंगे और तीसरी श्रेणी में ऐसे स्टेशन रखे जाएंगे, जहां यात्रियों के निजी वाहन खड़े करने के लिए पार्क एंड राइड सुविधा विकसित हो सके।

अन्य परिवहन साधनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस और ऑटो रिक्शा यूनियनों के साथ समन्वय कर प्रत्येक स्टेशन के लिए परिवहन व्यवस्था तय की जाएगी। स्टेशन के

बाहर पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ जोन, पैदल मार्ग और व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था विकसित करने की योजना है। इसका उद्देश्य पीक आवर्स में स्टेशन के आसपास वाहनों की भीड़ और जाम की स्थिति को रोकना है।